



साल एक - शुरुआत अनेक

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार

Saal Ek - Shuruat Anek

Ministry of Culture, Government of India







### Swachh Bharat - Swachh Samarak

#### 25 Adarsh Smarak

25 ASI sites have been launched as 'Adarsh Smarak' on 26<sup>th</sup> December, 2014 for providing improved visitor amenities, especially for the physically challenged, besides cleanliness, drinking water, and interpretation centres etc. All the 25 monuments will be conserved on project mode basis. The civic amenities will be augmented at these sites. ASI has already concluded an MoU with ONGC for providing these amenities at Taj Mahal at an estimate of Rs.20.75 crore. Similar MoUs will be concluded for 5 more monuments. ASI also proposes to conclude MoU with BHEL and NBCC for providing such monuments with these facilities.

Swachh Bharat mission has been launched in the Ministry of Culture on 25<sup>th</sup> September, 2014 with signing of an MoU between ASI, ONGC and Ministry of Tourism for constructing toilets and other facilities at Taj Mahal. Five more monuments would be covered under Clean India campaign.

A special drive has been undertaken to review old files/records under which 8362 old files have been weeded out.

After detailed consultations, Archaeological Survey of India has finalized the National Conservation Policy, Excavation and Exploration Policy, HRD Policy and guidelines on ASI Museums. The Village to Village Survey Scheme has been revived. The Aurangabad, Bangalore, Bhopal, Chandigarh, Chennai, Dehradun, Goa, Hyderabad, Kolkata, Lucknow, Patna, Ranchi, Shimla, Thrissur and Vadodra Circles surveyed 2087 villages, of which 727 yielded antiquaries/remains/ancient mounds/structures etc.

### स्वच्छ भारत – स्वच्छ स्मारक

#### 25 आदर्श स्मारक

रमारकों में स्वच्छता, पेयजल के साथ—साथ आगंतुकों और विशेषकर विकलांग जनों के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए 26 दिसंबर, 2014 को 25 एएसआई स्थलों को आदर्श स्मारक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इन सभी 25 स्मारकों को विशेष अभियान के अंतर्गत संरक्षित किया जायेगा। इन स्थलों पर आवश्यक जन सुविधाओं को बेहतर बनाया जायेगा। एएसआई ने 20.75 करोड़ रुपये की लागत से ताज महल में आधारभूत जन सुविधाएं प्रदान करने के लिए ओएनजीसी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर पहले ही हस्ताक्षर किये गये हैं। 5 अन्य स्मारकों के लिए इसी तरह के समझौते किये जायेंगे। इन स्थलों पर ऐसी सुविधाएं प्रदान करने के लिए बीएचईएल तथा एनबीसीसी के साथ इसी तरह के समझौते करने का एएसआई का प्रस्ताव है।

संस्कृति मंत्रालय में 25 सितंबर, 2014 को स्वच्छ भारत मिशन शुरू किया गया जिसके अंतर्गत ताज महल में शौचालयों एवं अन्य सुविधाओं का निर्माण करने के लिए एएसआई, ओएनजीसी और पर्यटन मंत्रालय के बीच एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। स्वच्छ भारत अभियान के दायरे में और पांच स्मारकों को लाया जाएगा।

पुरानी फाइलों—अभिलेखों की समीक्षा के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया है, जिसके अंतर्गत 8362 पुरानी फाइलें छांटीं गयी हैं।

विस्तार पूर्वक परामर्श के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने राष्ट्रीय संरक्षण नीति, उत्खनन एवं खोज नीति, मानव संसाधन विकास नीति और एएसआई के संग्रहालयों पर दिशा—निर्देशों को अंतिम रूप दिया। गांव—गांव में सर्वेक्षण की योजना बहाल की गयी है। औरंगाबाद, बेंगलूरू, भोपाल, चंडीगढ़, चेन्नई, देहरादून, गोवा, हैदराबाद, कोलकाता, लखनऊ, पटना, रांची, शिमला, त्रिचुर और वड़ोदरा सर्किलों में 2087 गांवों का सर्वेक्षण किया गया, जिनमे से 727 गांवों में अवशेष, प्राचीन निर्माण, स्थापत्य आदि पाये गये हैं।

### Our Culture-Our Identity





### Festivals of India

To promote India's soft power and to further the MEAs focus on East Asia and South East Asia, several Festivals of India have been held at various geographical locations, in particular in the countries of Laos PDR, Thailand, Cambodia, Vietnam, China, and Japan. Festivals of India in Indonesia and Malaysia are going on and Myanmar, South Korea, Mauritius, Seychelles and Madagascar are in the offing. The running central theme of most of these festivals has been the core contribution of Buddhism and the bilateral relations.

Indian Museum, Kolkata has organized an international exhibition titled 'Indian Buddhist Art' at Shanghai and Tokyo. Most of these festivals have been spread over several weeks and have been organised in different cities. These festivals have been quite successful and have registered high footfalls as well as tremendous local media coverage and attention.

## भारत महोत्सव

भारत की सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा देने तथा विदेश मंत्रालय की पूर्वी एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया पर विशेष बल देने की नीति का संवर्धन करने के लिए भारत महोत्सवों का आयोजन अनेक भौगोलिक क्षेत्रों, खासकर लाओस, पीडीआर, थाइलैंड, कम्बोडिया, वियतनाम, चीन तथा जापान जैसे देशों में किया गया। इंडोनेशिया तथा मलेशिया में महोत्सव शुरू हो गया है और म्यांमार, दक्षिण कोरिया, मॉरिशस, सेशेल्स और मेडागास्कर में यह निकट भविष्य में आयोजित होने वाला है।

विशेष रूप से स्थानीय संदर्भों तथा द्विपक्षीय संबंधों की दृष्टि से "बौद्ध धर्म का मुख्य योगदान" अधिकांश महोत्सवों का मुख्य विषय रहा है। भारतीय संग्रहालय, कोलकाता ने शंघाई और टोक्यों में भारतीय बौद्ध कला शीर्षक से एक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का आयोजन किया। इनमें से अधिकांश महोत्सव कई सप्ताह तक चले और इनका आयोजन विभिन्न शहरों में किया गया। ये महोत्सव बहुत सफल रहे और इन्हें देखने बड़ी संख्या में लोग आये तथा स्थानीय मीडिया ने इन पर विशेष ध्यान दिया और इन्हें व्यापक रूप से कवरेज मिला।

## World's Heritage

Rani ka Vav (Gujarat) and Great Himalayan National Park (H.P.) have been inscribed on World Heritage List during the 38<sup>th</sup> Session of World Heritage Committee held from 15-25 June, 2014 at Doha, Qatar.

The 9<sup>th</sup> session of the Intergovernmental Committee for the Safeguarding of the Intangible Cultural Heritage was held at UNESCO Headquarters, Paris. India's nomination of 'Traditional brass and copper craft of utensil making among the Thatheras of Jandiala Guru, Punjab, India' was unanimously accepted for inscription on the Representative List of the Intangible Cultural Heritage of humanity. India now has a total of 11 elements inscribed, bringing it to number 8 position overall, in terms of inscriptions of UNESCO's list of intangible treasures.

India has been elected for the next four years (2014-18) to the Inter-Governmental Committee for the safeguarding of the Intangible Cultural Heritage in a vote on 4<sup>th</sup> June 2014 at UNESCO headquarters, by the Central Assembly of the States Parties to the Convention for the safeguarding of the ICH. India won the election by a resounding 135 votes out of a total of 142 votes cast.

India was nominated as Vice Chair to the Committee for the Safeguarding of the Intangible Cultural Heritage from November 2014 until November 2015.

# विश्व धरोहर

रानी का वाव (गुजरात) और वृहद हिमालय राष्ट्रीय उद्यान (हिमाचल प्रदेश) को 15—25 जून, 2014 तक दोहा, कतर में संपन्न विश्व धरोहर समिति के 38वें सत्र के दौरान विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।

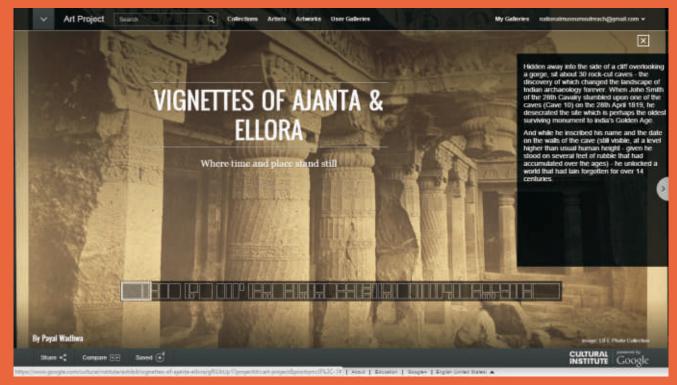
अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए अंतर—सरकारी समिति का 9वां सत्र यूनेस्को मुख्यालय पेरिस में संपन्न हुआ। जंडियाला गुरु, पंजाब, भारत के ठठेरों के बीच परंपरागत बर्तन निर्माण में तांबा और पीतल शिल्प के भारत के नामांकन को मानवता के अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल करने के लिए सर्वसम्मित से स्वीकार किया गया। यूनेस्को की अमूर्त खजाना सूची में अब भारत की कुल 11 वस्तुएं अंकित हैं, जिससे समग्र रूप से इसकी स्थिति 8वें स्थान पर पहुँच गयी है।

भारत को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के लिए आगामी चार वर्षों (2014–18) के लिए आईसीएच के रक्षोपायों हेतु सेन्ट्रल एसेम्बली ऑफ द स्टेट्स पार्टीज टू द कन्वेशन द्वारा 4 जून, 2014 को मतदान द्वारा अंतर सरकारी समिति में चुना गया है। भारत ने इस मतदान के कुल 142 मतों में से 135 मत प्राप्त कर शानदार जीत हासिल की।

भारत को नवंबर, 2014 से नवंबर, 2015 तक के लिए अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण संबंधी समिति के उपाध्यक्ष के रूप में नामित किया गया।







#### **E** Governance

A new website of the Ministry of Culture and Mobile App has been launched.

The Ministry is now on social media platforms.

The links are

Twitter:

https://twitter.com/indiaculture.goi;

Facebook:

https://www.facebook.com/indiaculture.goi; and

Youtube:

https://www.youtube.com/user/sanskriti.goi

The process to have a web-based e-ticketing platform for ASI ticketed monuments has been initiated. The pilot project started w.e.f. 26<sup>th</sup> December, 2014 for Taj Mahal, Agra and Humayun Tomb, Delhi.

The administration and implementation of the various schemes run by the Ministry of Culture have been delegated to organisations under the charge of the Ministry in order to facilitate and speed up processing. All 17 major schemes have been made on.line and application forms have been simplified. The system aims to ensure transparency and effective monitoring.

### Digitization

The digital collection of more than 28,800 images in respect of selected Museums, where Jatan software is being implemented in the first phase, has been transferred to the Digital Repository at C-DAC Pune and are available for public viewing on the web portal "museumsofindia.gov.in. In addition, 11 virtual exhibitions has also been uploaded on this web portal for public viewing.

# ई गवर्नेस

संस्कृति मंत्रालय की नई वेबसाइट एवं मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया गया है।

संस्कृति मंत्रालय सोशल मीडिया में भी है। संबंधित लिंक्स इस प्रकार हैं

द्विटर : https://twitter.com/indiaculture.goi;

फेसबुक: https://www.facebook.com/indiaculture.goi; यूट्यूब: https://www.youtube.com/user/sanskriti.goi

एएसआई के टिकट वाले स्मारकों के लिए एक वेब आधारित ई—टिकटिंग प्लेटफार्म की प्रक्रिया शुरू की गयी है। ताजमहल, आगरा और हुमायूं का मकबरा, दिल्ली के लिए 26 दिसंबर, 2014 से प्रायोगिक योजना शुरू की गयी।

संस्कृति मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का प्रशासन एवं क्रियान्वयन, मंत्रालय के अधीन संगठनों को दे दिया गया है जिससे इनके प्रसंस्करण में तेजी लाई जा सके। सभी प्रमुख 17 योजनाओं को ऑनलाइन कर दिया गया है और आवेदन फार्मों को सरल बना दिया गया है। इस प्रणाली का उद्देश्य पारदर्शिता सुनिश्चित करना और इनकी प्रभावी तरीके से निगरानी करना हैं।

## डिजिटलीकरण

चयनित संग्रहालयों के संबंध में 28,800 चित्रों का डिजिटल संग्रह, जहां प्रथम चरण में जतन सॉफ्टवेयर को कार्यान्वित किया जा रहा है, सी—डैक पुणे में डिजिटल संग्रह को अंतरित कर दिये गये हैं और वेब पोर्टल museumsofindia.gov.in पर जनता के अवलोकनार्थ उपलब्ध हैं। इसके अलावा जनता के अवलोकनार्थ इस वेब पोर्टल पर 11 आभासी प्रदर्शनियां भी अपलोड की गयी हैं।

#### Our Culture-Our Identity

Similarly ASI has also concluded an MoU with M/s Google for uploading of 3D images of ASI monuments on web. So far walk through 113 of such monuments, have been uploaded by M/s Google.

National Mission on Monuments and Antiquities has uploaded about 3.15 lakh entries pertaining to documentation of Antiquities from various Museums/Documentation Resource Centres (DRCs) across India on the NMMA website.

Digitization of records and open access to archival resources has been taken up in a big way. National Archives of India has launched its online search portal "Abilekh-Patal" on its 125<sup>th</sup> Foundation Day on 11<sup>th</sup> of March, 2015. 2 million catalogue entries and 2000 digital images have been uploaded. About 15 lakh pages have been already digitized and more projects are underway.

After the recent weeding out of the records by various Ministries, transfer of official records from Ministries to NAI has commenced. 2000 officials of various Ministries were trained on Records Management Practices by the National Archives of India (NAI).

इसी प्रकार एएसआई ने वेब पर एएसआई स्मारकों के 3डी चित्रों को अपलोड करने के लिए मैसर्स गूगल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं। अब तक मैसर्स गूगल द्वारा ऐसे 113 स्मारकों के आभासी भ्रमण (वॉक थ्रू) अपलोड किये गये हैं।

राष्ट्रीय स्मारक एवं पुरावस्तु मिशन ने एनएमएमए की वेबसाइट पर भारत वर्ष के विभिन्न संग्रहालयों/प्रलेखन स्रोत केंद्रों (डीआरसी) से पुरावस्तुओं के प्रलेखन से संबंधित लगभग 3.15 लाख प्रविष्टियों को अपलोड किया है। अभिलेखों का डिजिटलीकरण तथा अभिलेखीय स्रोतों तक मुक्त पहुँच का कार्य व्यापक स्तर पर शुरू किया गया है।

भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार ने 11 मार्च, 2015 को अपने 125वें स्थापना दिवस के अवसर पर अपना ऑनलाइन पोर्टल "अभिलेख पटल" शुरू किया है। इसमें बीस लाख सूचीपत्र प्रविष्टियों तथा 2000 डिजिटल इमेजों को अपलोड किया गया है। लगभग 15 लाख पृष्ठों का पहले ही डिजीटलीकरण किया जा चुका है तथा और अधिक परियोजनाएं चल रही हैं।

हाल ही में विभिन्न मंत्रालयों द्वारा की गई अभिलेखों की छटाई के बाद, मंत्रालयों से एनएआई को सरकारी रिकॉर्डों के अंतरण का कार्य शुरू हो गया है। भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) द्वारा अभिलेख प्रबंधन कार्य—व्यवहारों पर विभिन्न मंत्रालयों के 2000 कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया।



## Gandhi Heritage

All components of Dandi project namely construction of National Dandi Memorial, development of Dandi Heritage path from Ahmedabad to Dandi and development of 21 Night Halt places have been approved. Govt. of India has also accorded its approval for the construction of National Dandi Memorial at Dandi. Construction of the Heritage path has begun. Work relating to 21 night half places is under progress.

Gandhi Heritage Sites Mission has taken up several projects. These include upgradation and modernization of Gandhi Ashram Trust at Noakhali (Bangladesh); upgradation of the Gandhi Smarak Sangrahalaya, Barrackpore, Kolkata; curating exhibition of permanent nature at Pietermaritzburg Railway Station, South Africa and creation of data base relating to Dandhi Heritage Sites etc.

Approximately 7,42,462 pages have been uploaded on Gandhi Heritage Portal. The jury for the Gandhi Peace Prize under the chairmanship of Hon'ble Prime Minister of India has decided that the Gandhi Peace Prize for the year 2014 be conferred on Indian Space Research Organisation (ISRO) in recognition of its outstanding contribution in use of space technology for the social, economic and political transformation of the nation through non-violence.

### International Culture Relationship

The SAARC Heads of Government met in Kathmandu and agreed for enhanced focus on cultural relations. The SAARC Culture Ministers met in Delhi and agreed on the SAARC agenda for Culture for 2014-17 in the form of Delhi Resolution. India hosted the SAARC Traditional Dance Festival from September 26-29, 2014.

## गांधी विरासत

दांडी परियोजना के सभी घटक अर्थात राष्ट्रीय दांडी स्मारक का निर्माण, अहमदाबाद से दांडी तक दांडी विरासत पथ का विकास और 21 रात्रि विश्राम स्थलों का विकास अनुमोदित किया गया है। भारत सरकार ने दांडी में राष्ट्रीय दांडी स्मारक के निर्माण कार्य को अपना अनुमोदन भी प्रदान कर दिया है। विरासत पथ का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। 21 रात्रि विश्राम स्थलों का कार्य प्रगति पर है।

गांधी विरासत स्थल मिशन ने अनेक परियोजनाएं शुरू की है। इसमें नोवाखली (बांग्लादेश) में गांधी आश्रम ट्रस्ट का उन्नयन और आधुनिकीकरण गांधी स्मारक संग्राहलय, बैरकपुर, कोलकता का उन्नयनय पीटरमार्टिजबर्ग रेलवे स्टेशन, दक्षिण अफ्रीका में स्थाई प्रकृति की क्यूरेटिंग प्रदर्शनी तथा दांडी विरासत स्थल से संबंधित डाटा बेस का सृजन आदि शामिल है।

गांधी विरासत पोर्टल पर लगभग 7,42,462 पृष्ठों को अपलोड किया गया है। गांधी शांति पुरस्कार हेतु भारत के माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाले निर्णायक मंडल ने निर्णय लिया है कि वर्ष 2014 के लिए गांधी शांति पुरस्कार भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को अहिंसा के माध्यम से राष्ट्र के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के प्रयोग में इसके उल्लेखनीय योगदान को ध्यान में रखते हुए इसे प्रदान किया जाये।

# अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक संबंध

सार्क देशों के अध्यक्षों की बैठक काठमांडू में हुई और वे सांस्कृतिक संबंधों पर और अधिक बल देने पर सहमत हुए। सार्क के संस्कृति मंत्रियों की बैठक दिल्ली में हुई और दिल्ली संकल्प के रूप में वर्ष 2014—17 के लिए सार्क संस्कृति कार्यसूची पर वे सहमत हुए। भारत ने 26—29 सितंबर, 2014 के दौरान सार्क पारंपरिक नृत्य उत्सव की मेजबानी की।

7



### Other Achievements

The inaugural function of major two commemorations – Centenary of Komagata Maru incident on 29<sup>th</sup> September, 2014 and Birth Centenary of Begum Akhtar on 7<sup>th</sup> October 2014 have been held. 125<sup>th</sup> Birth Centenary of Jawaharlal Nehru has also been inaugurated on 14<sup>th</sup> November, 2014. The Centenary is being celebrated with focus on sanitation and promotion of Scientific Temper. Some more commemorations have been approved for celebration like that of Lala Lajpat Rai, Shri Deen Dayal Upadhyay, Maharana Pratap etc.

The National Archives of India is celebrating its 125<sup>th</sup> Foundation Year in 2015-16. The inaugural ceremony was held on the Foundation Day on 11<sup>th</sup> March, 2015.

Rs. 200 crore has been released for the Statue of Unity – a statue of Sardar Vallabh Bhai Patel.

The First Annual meeting of the Heads of Organizations under the charge of Ministry of Culture was held on 19<sup>th</sup> November,2014 which was addressed by the Hon'ble Minister, in order to have better coordination with the organisations and build synergy amongst them. The Ministry has signed MoUs with all the organisations for monitoring the assigned priorities to them.

Many educational institutions have been chosen in Vanarasi for development as Interpretation Centres based on famous luminaries and important themes regarding the city. Work in this direction is in progress.

The Ministry has taken up an initiative for skill development in the culture sector. A Mentor Council has been constituted for the purpose. As part of this endeavor the ministry has begun work on the campus of the National Museum Institute in NOIDA and the Institute of Archaeology in Greater NOIDA.

# अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धियां

दो प्रमुख संस्मारक उत्सवों — 29 सितंबर, 2014 को कोमागाता मारू घटना की शताब्दी और 7 अक्टूबर, 2014 को बेगम अख्तर की जन्म शताब्दी के उद्घाटन कार्यक्रम संपन्न हुए। जवाहरलाल नेहरू की 125वीं जयंती का उद्घाटन समारोह भी 14 नवंबर, 2014 को संपन्न हुआ। यह शताब्दी स्वच्छता और वैज्ञानिक अभिवृत्ति के संवर्धन पर जोर देते हुए मनायी जा रही है। लाला लाजपत राय, श्री दीनदयाल उपाध्याय, महाराणा प्रताप आदि के स्मरणोत्सव मनाने संबंधी कुछ और कार्यक्रम भी अनुमोदित किये गये हैं।

भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार 2015—16 में अपना 125वां स्थापना दिवस मना रहा है। 11 मार्च, 2015 को स्थापना दिवस पर उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी — सरदार वल्लभ भाई पटेल की मूर्ति के लिए 200 करोड़ रुपये जारी किये गये।

संस्कृति मंत्रालय के अधीन काम करने वाले संगठनों के प्रमुखों की पहली वार्शिक बैठक 19 नवंबर, 2014 को आयोजित की गई। संगठनों के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित करने और उनके बीच सहक्रिया सुनिश्चित करने के लिए माननीय मंत्री जी ने इस बैठक को संबोधित किया। मंत्रालय ने इन संगठनों को दी गई प्राथमिकताओं की निगरानी के लिए सभी संगठनों के साथ एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है।

वाराणसी में महान विभूतियों और महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित विवेचना केंद्रों के रूप में विकास के लिए इस शहर की अनेक शैक्षिक संस्थाओं का चयन किया गया है। इस दिशा में कार्य प्रगति पर है।

मंत्रालय ने सांस्कृतिक क्षेत्र में कौशल विकास के लिए पहल की है। इस उद्देश्य के लिए एक परामर्श परिषद का गठन किया गया है। इस प्रयास के तहत मंत्रालय ने नोएडा में राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान और ग्रेटर नोएडा में पुरातत्व संस्थान (इंस्टीट्यूट ऑफ ऑर्केलॉजी) के परिसर पर करना शुरू किया है।

9

### डॉ. महेश शर्मा

पर्यटन एवं संस्कृति, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नागर विमानन, राज्य मंत्री

Dr. Mahesh Sharma Minister of State (IC) for Toursim and Culture Minister of State for Civil Aviation



संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार Ministry of Culture Government of India